|  |
| --- |
| 08. September 2024 |
| **23. Sonntag im Jahreskreis B** |
| Erste Lesung: Jes 35,4-7a; Zweite Lesung: Jak 2,1-5; Evangelium: Mk 7,31-37 |
|  |  |  |
| Eröffnung: | GL 81, 1+3! | Lobet den Herren (nur morgens) |
|  | GL 149, 1+3! | Liebster Jesu, wir sind hier |
|  |  |  |
| Kyrie: | GL 130 | Herr, erbarme dich |
|  |  |  |
| Gloria: | GL 131 | Ehre sei Gott in der Höhe |
|  | GL 383, 1+2! | Ich lobe meinen Gott |
|  |  |  |
| Antwortgesang: | Ps 146,6-7.8-9a.9b-10 |
|  | Kehrverse:  |  |
|  | GL 57, 1 | Meine Seele, preise den Herrn |
|  | GL 58, 1 | Lobe den Herrn, meine Seele |
|  | oder Lied: |  |
|  | GL 221, 1+4 | Kündet allen in der Not |
|  |  |  |
| Halleluja-Ruf: | Ruf: GL 174, 3 |  |
|  | Vers: |  |
|  | *Jesus verkündete das Evangelium vom Reich* |
|  | *und heilte im Volk alle Krankheiten und Leiden.* |
|  |  |
| Credo: | GL 180 | Credo in unum Deum |
|  | Sprechen |  |
|  |  |  |
| Gabenbereitung: | GL 485, 1+3 | O Jesu Christe, wahres Licht |
|  |  |  |
| Sanctus: | GL 132 | Heilig |
|  |  |  |
| Agnus Dei: | GL 133 | Lamm Gottes |
|  |  |  |
| Danksagung:  | GL 268, 4+5! | Herr, nimm von mir  |
|  | GL 342, 1-3!.6 | Komm, Heilger Geist |
|  | GL 348, 3+4 | Du stille Macht |
|  | GL 351, 1+3+4 | Komm, Schöpfer Geist |
|  |  |  |
| Schluss: | GL 489, 1-3! | Lasst uns loben |
|  | oder am Sonntag: |  |
|  | GL 526, 1-4 | Alle Tage sing und sage |